Literacy for a Billion

Movie: Nayak
Year:2001

Song: kabhi mithi lagati hai
Lyricist: Anand Bakshi

हो...
कभी मीठी लगती है
कभी खट्टी लगती है
कभी मीठी लगती है
कभी खट्टी लगती है
जैसी भी है तू मुझको
हाए अच्छी लगती है
कभी कभी मीठी लगती है
कभी कभी खट्टी लगती है
कभी कभी मीठी लगती है
हो...
कभी झूठा लगता है
कभी सच्चा लगता है
कभी झूठा लगता है
सच्चा लगता है
जैसा भी है तू मुझको
हाए अच्छा लगता है
कभी कभी झूठा लगता है
कभी कभी सच्चा लगता है
कभी कभी झूठा लगता है हाए
कभी कभी झूठा लगता है
कभी कभी सच्चा लगता है
कभी कभी झूठा लगता है हाए

कभी मैं ये सोचू छू के तुझे देखू
सच है या कोई सपना
कभी मैं ये सोचू छू के तुझे देखू
सच है या कोई सपना

सच हूँ के सपना हूँ

मैं तेरा अपना हूँ
ओ सनम तेरी कसम
मेरा एतबार तू कर ले
मैं बरखा तू बादल
मेरी आँखों का काज़ल
तू ज़हाँ मैं भी वहाँ
तेरी जान मैं मेरी जान तू
हो...
कभी मीठी लगती है
कभी खट्टी लगती है
हो हो हो...
कभी झूठा लगता है
सच्चा लगता है
जैसा भी है तू मुझको
हाए अच्छा लगता है
हो कभी लगे मोरनी सी
कभी लगे चोरनी सी
तुझको पुकारू किस नाम से
ओ कर दे तू एक इशारा
मैं दौड़ी आऊँ यारा
छाँव धूप मेरा रंग रूप
तेरे प्यार से है जुड़ा
आ सबको छोड़ के आजा
हर बंधन तोड़ के आजा
साथ साथ रहे
संग संग एक दूसरे के दिल में

Literacy for a Billion

हो...
कभी मीठी लगती है
कभी खट्टी लगती है

कभी झूठा लगता है
सच्चा लगता है
जैसा भी है तू मुझको
हाए अच्छा लगता है

कभी कभी मीठी लगती है

कभी कभी खट्टी लगती है
कभी कभी मीठी लगती है
कभी कभी झूठा लगता है
कभी कभी सच्चा लगता है
कभी कभी झूठा लगता है हाए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.